Total Pages : 3 Roll. No. : .....

Examination Session June-2022

(Fourth Semester)

MAHL-611

M.A. हिन्दी (MAHL)

[उत्तराखण्ड का लोक साहित्य भाग - 02]

Time : 2 Hours] **[Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। 2×20=40

1. गढ़वाली लोकगीतों की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।
2. गढ़वाली काव्य में निहित काव्यगत सौन्दर्य का वर्णन कीजिए।
3. गढ़वाली लोकसाहित्य के क्रमबद्ध विकास पर प्रकाश डालते हुए विस्तृत विवरण दीजिए।
4. गढ़वाली लोककथाओं का वर्गीकरण व उसकी प्रमुख प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए।
5. 'स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से वर्तमान में गढ़वाली काव्य ने बहुआयामी विस्तार पाया' इस कथन की सांगोपांग विवेचना कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। 4×10=40

1. गढ़वाली लोकसाहित्य की प्रमुख समस्याएँ बताइए।
2. गढ़वाली लोकगाथा का वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिए।
3. चाँचरी लोकगीतों की विशेषताएँ बताइए।
4. गढ़वाली लोककथाओं की शिल्प व संवेदना पर प्रकाश डालिए।
5. तारादत्त गैरोला द्वारा लोककथाओं के विभाजन का उल्लेख कीजिए।
6. गढ़वाली लोकसाहित्य की प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।
7. गढ़वाली लोककथाओं की विशेषताएँ लिखिए।
8. गढ़वाली लोकगीतों के स्वरूप को सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

****